



## क्या 'आधार पे' से नकद भुगतान किया जा सकता है?

### संदर्भ

उल्लेखनीय है कि 8 नवंबर, 2016 को लिये गए वसुधैवकुटुम्बक नरिणय के कारण डजिटल लेन-देन के सभी माध्यमों जैसे-एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (Unified Payment Interface-UPI), मोबाइल वॉलेट (जैसे-पेटीएम) के उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जनता के इस रुख को देखते हुए सरकार द्वारा वर्तमान में भी ग्राहकों को नकदरहित लेन-देन (cashless transaction) के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है।

### “आधार पे” ( Aadhaar Pay)

- ध्यातव्य है कि डजिटल भुगतानों की सूची में आई.डी.एफ.सी. बैंक के आई.डी.एफ.सी. “आधार पे” को भी शामिल किया गया है।
- वदिति हो कि यह आधार से जुड़ी हुई देश की पहली नकद रहति भुगतान प्रणाली है। इसका प्रमुख उद्देश्य छोटे व्यापारियों को नकद रहति लेनदेन के लिये प्रोत्साहित करना है।

### लेन-देन प्रक्रिया के प्रमुख चरण

- इस समस्त प्रक्रिया में बहुत से चरणों के अंतर्गत ‘आधार पे’ की कार्यप्रणाली को प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है। जो कि निम्नलिखित हैं-

### व्यापारियों हेतु

- गौरतलब है कि ‘आधार पे’ के माध्यम से धन के लेन-देन हेतु सर्वप्रथम किसी भी व्यापारी को एक स्मार्टफोन और आई.डी.एफ.सी. बैंक में एक खाते की आवश्यकता होती है।
- वर्तमान में भुगतान के इस माध्यम के उपयोग को बढ़ावा देने के लिये बैंक व्यापारियों से प्रत्यक्ष रूप से संपर्क कर रहा है तथा इलेक्ट्रॉनिक केवाईसी (KYC) के प्रयोग द्वारा जीरो बैलेंस पर करेंट अकाउंट (चालू खाता) खोल रहा है।
- व्यापारी को प्राप्त इस नए खाते की संख्या को ‘आधार पे’ की आधिकारिक एप में नामांकित करवाना होता है। आपको ये बता दे कि ‘आधार पे’ एप को केवल बैंक से ही प्राप्त किया जा सकता है जबकि अन्य एप को सार्वजनिक डोमेन जैसे-गूगल प्लेस्टोर आदि के माध्यम से डाउनलोड करना होता है।
- नामांकन होने के पश्चात् व्यापारी को एक बायोमेट्रिक डोंगल दिया जाता है जसि वह भुगतान प्राप्त करने के लिये अपने स्मार्टफोन से जोड़ सकता है। व्यापारी को डोंगल को खरीदने के लिये केवल एक बार भुगतान करना होता है। डोंगल की कीमत 1,800 से लेकर 2,500 रूपए सुनिश्चित की गई है।

### ग्राहकों हेतु

- इसमें ग्राहक को आधार संख्या और बैंक के नाम (जसिमें ग्राहक का खाता है) की आवश्यकता होती है। स्मरण रहे कि जसि खाते से ग्राहक भुगतान करना चाहते हैं वह उसके ‘आधार कार्ड’ से जुड़ा होना चाहिये।
- आधार संख्या और बैंक के नाम को भरते ही ग्राहक को अपने बायोमेट्रिक डोंगल में अपने अंगूठे को रखना होता है जो व्यापारी के स्मार्टफोन से जुड़ा होता है।
- यह डोंगल अंगूठे के नशान को प्रमाणित करता है, इसके पश्चात् ग्राहक के खाते से व्यापारी के चालू खाते में धन का स्थानांतरण हो जाता है। स्पष्ट है कि इसके साथ ही डजिटल लेन-देन प्रक्रिया पूर्ण हो जाती है।

### पक्ष में तरक

- इस प्रक्रिया का लाभ यह है कि यह एक सुरक्षात्मक प्रक्रिया है। वशिषजजों का दावा है कि वियक्ति की पहचान को प्रमाणित करने के लिये अंगूठे का नशान लेना, डजिटल लेन-देन को भुगतान वॉलेट अथवा क्रेडिट और डेबिट कार्ड की तुलना में अधिक सुरक्षित बना देता है।
- चूँकि प्रत्येक वियक्ति के अंगूठे का नशान वशिषिट होता है, अतः इस प्रक्रिया का गलत प्रयोग कर पाना एक मुश्किल कार्य होगा। इसके वपिरीत भुगतान वॉलेट जैसे-पेटीएम आदि के मामले में मोबाइल के खोने की स्थिति में इसके गलत तरीके से इस्तेमाल का जोखिम बना रहता है।
- गौरतलब है कि ‘आधार पे’ व्यवस्था के माध्यम से लेन-देन करने पर कोई शुल्क नहीं लगता है। जबकि क्रेडिट और डेबिट कार्ड को स्वैप करने के लिये लगाई गई पॉइंट ऑफ़ सेल्स वाली मशीनों में व्यापारी के प्रत्येक लेन-देन के लिये उस पर व्यापारी बट्टा दर (merchant discount rate) अधिरोपित किया जाता है।

## वपिकष में तरक

- छोटी खरीददारी करते समय लोगों के लयि सुवधि अधिकि मायने रखती है। जबकि इस व्यवस्था से ग्राहक को असुवधि अधिकि होगी।
- अच्छी इन्टरनेट कनेक्टविटी अथवा अंगूठे के नशान को पढ़ने और इसे प्रक्रयात्मक बनाने में बायोमीट्रिकि उपकरण की अकुशलता एक बाधा बनकर सामने आयेगी।
- आधार संख्या, बैंक के नाम को एंटर करना तथा अंगुली के नशान को प्रमाणति करने में भुगतान के अन्य साधनों की अपेक्षा अधिकि समय लगता है।
- मेट्रो अथवा बड़े शहरों में भी डाटा कनेक्शन की व्यवस्था बहुत अधिकि स्थायी रूप से उपस्थति नहीं है। ऐसी स्थति में यह लेन-देन को उचित ढंग से पूरण कर पाने में अकषम भी हो सकती है।
- छोटी दुकानों में लेन-देन अधिकि होता है तथा व्यापारी भुगतान के अन्य साधनों (जैसे नकद) को प्राथमकिता दे सकता है।
- यद्यपि इस प्रणाली में लेन-देनों के लयि कोई शुल्क नहीं लगता है, परन्तु जब सुवधि की बात आती है तो व्यापारी भुगतान के आसान और तीव्र साधन को प्राथमकिता देते हैं।
- वदिति हो कि इस व्यवस्था में भुगतान के लयि प्रत्येक व्यक्तिको अपनी आधार संख्या स्मरण रखना बाध्यकारी है। 12 अंकीय आधार संख्या की तुलना में 4 अंकीय पन को संख्या को स्मरण रखना अधिकि आसान होता है।

## नषिकर्ष

लेन-देन को पूरण करने में लगने वाले समय की अनशिचतिता के कारण सुरक्षति होते हुए भी आई.डी.एफ.सी. का 'आधार पे' डजिटिल भुगतान व्यवस्था के संबंध में एक चुनौती बना हुआ है। ऐसी स्थति में इस समस्त व्यवस्था को बहुत अधिकि सुवधिजनक तो नहीं माना जा सकता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/should-you-cash-in-on-aadhaar-pay>

